स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र - ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1 जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of knowledge according to Jain philosophy.

अथवा /OR

श्रुतज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

Define Shrutgyan and explain the types of it.

प्र. 2. अवधिज्ञान को परिभाषित करते हुए इसकी विशेषताएं लिखिए।

Define Avadhigyan and explain nature of it.

अथवा /OR

केवलज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Kevalgyan.

प्र. 3. जैन दर्शन में न्याय को स्पष्ट करते हुए उसके अंग लिखिए।

Explain the Nyaya and it's definition according Jain philosophy.

अथवा /OR

जैन दर्शन में अभाव को समझाइए।

Explain the Abhav according jain philosophy.

प्र. 4. जैन दर्शन में प्रमाण का स्वरूप एवं भेद को समझाइए।

Explain the nature and types of origin of Praman in Jain philosophy.

अथवा /OR

पारमार्थिक प्रत्यक्ष को समझाइए।

Explain the Parmarthik Pratyaksha.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

Write short notes on any three of the following -

(i) तर्क / Inductive Reasoning

(ii) आगम / Agam

(iii) प्रत्याभिज्ञान / Recognition

(iv) निगमन / Conclusion

(v) प्रत्यक्ष / Pratyaksh

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र - नीति शास्त्र

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. नीतिशास्त्र को परिभाषित करते हुए उसका तत्त्वमीमांसा के साथ क्या सम्बन्ध है? समझाइए।

Define ethics and explain the relation of ethics with metaphysics.

अथवा /OR

नीतिशास्त्र का राजनीति व समाजशास्त्र के साथ सम्बन्ध समझाइए।

Explain the relation of ethics with politics and society.

प्र. 2. प्लेटो के नैतिक दर्शन पर प्रकाश डालिए।

Throw light on ethical philosophy of Plato.

अथवा /OR

अरस्तु के सद्‌गुण के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the concept of virtue of Aristotle.

प्र. 3. सिजविक के उपयोगितावाद को विस्तार से समझाइए।

Explain the utilitarianism of Sijvick.

अथवा /OR

सुखवाद व स्वार्थवाद के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the concept of Egoism and Hedonism.

प्र. 4. कांट के नैतिक दर्शन को समझाइए।

Explain the ethical philosophy of Kant.

अथवा /OR

संकल्प स्वातंत्र्य व दण्ड के सिद्धान्त को विस्तार से बताइए।

Describe the concept of independent will and doctrine of punishment.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये -

Write short notes on any four of the following :

(अ) जैन - त्रिरत्न
Jainism - Three Jewels

(ब) अहिंसा–आचार्य भिक्षु
Acharya Bhikshu-Non-violence

(स) करुणा व साधन साध्य सिद्धान्त–आचार्य भिक्षु
Acharya Bhikshu-compassion and various views of means & ends)

(द) निष्काम कर्म–गीता
Niskama Karma Yoga of Geeta

(य) गांधी–एकादशव्रत
Gandhi-Eleven Vows

♦♦♦

प्र. 3. उपवास व तप का अंतर बताते हुए स्वास्थ्य सुधार की दृष्टि से उपवास की उपयोगिता को समझाइएं।

Explain the difference between fasting and penance and also the importance of fasting with a view to cure health.

अथवा /OR

उनोदरी व रसपरित्याग क्या है? स्पष्ट करें।

What is reduced diet and giving up stimulating & delicious dishes? Explain.

प्र. 4. धूम्रपान का स्वास्थ्य पर क्या दुष्प्रभाव पडता है? समझाएं।

Describe the adverse affect of smoking on health.

अथवा /OR

शराब पीने के शारीरिक दुष्प्रभावों को स्पष्ट करें।

Explain the adverse effects of wine on body.

प्र. 5. कर्मवाद के सिद्धान्तों को स्पष्ट करें।

Explain the principles of Karmavada.

अथवा /OR

संक्षेप में जैन दर्शन व विज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करें।

Make a comparative study in brief of Jain philosophy & science.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन और विज्ञान

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्राणशक्ति के आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्त्व को विस्तार से समझाएं।

Describe in detail the spiritual & scientific importance of Prana-shakti.

अथवा /OR

प्राणविद्युत की विविध शक्तियों पर प्रकाश डालें।

Throw light on the various forces of Prana-vidyut.

प्र. 2. अतीन्द्रिय ज्ञान के सम्बन्ध में जैन अवधारणा को स्पष्ट करें।

Explain the Jain concept of extra-sensory knowlege.

अथवा /OR

लब्धि की विभिन्न शक्तियों पर प्रकाश डालें।

Throw light on the various energies pertaining to 'Labdhi' (Super natural power.).

वेद में प्रतिपादित हिंसा धर्म का ही कारण है– पूर्व मीमांसकों के इस मत की जैन दृष्टि से समीक्षा करें।

Violence explained in Vedas is the cause of righteousness - Critically analyse this view of Purva Mimansakas from Jain perspective.

प्र. 3. शून्यवाद की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Explain the concept of Shunyavad (Nihilism).

अथवा /OR

बौद्ध के क्षणिकवाद की समीक्षा करें।

Critically present the Kshanikvad (concept of momentariness).

प्र. 4. पदार्थ की अनंतधर्मात्मकता को समझाएं।

"Reality consists of infinite attributes". Explain it.

अथवा /OR

चार्वाक मत की समीक्षा करें।

Critically explain the theory of charvak philosophy.

प्र. 5. दुर्नय, नय एवं प्रमाण के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on the nature of Durnaya, Naya and Praman. (wrong standpoint, standpoint, source of valid knowledge)

अथवा /OR

जीवों की अनंतता विषय पर निबंध लिखें।

Write an essay on infinity of living beings.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्त

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. व्याख्या कीजिए/

Explain it.

आदीपमाव्योम समस्वभावं स्याद्वादमुद्रानतिभेदिवस्तु।
तन्नित्यमेवैकमनित्यमन्यदिति त्वदाज्ञाद्विषतां प्रलापा:।।

अथवा /OR

वैशेषिकों द्वारा मान्य समवाय की समीक्षा करें।

Critically explain the concept of Samvay accepted in Vaishesika philosophy.

प्र. 2. व्याख्या कीजिए /

Explain it.

यत्रैव यो दृष्टगुण: स तत्र कुम्भादिवत् निष्प्रतिपक्षमेतत्।
तथापि देहाद् बिहरात्मतत्वमतत्ववादोपहता: पठन्ति।।

अथवा /OR

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र - अहिंसा और शांति को समर्पित संस्थान एवं आन्दोलन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. विश्व शांति की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का विवेचन करें।
Discuss the role of United Nations in establishing World Peace.

अथवा /OR

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
Critically evaluate the functions of International Labour Organisation (ILO).

प्र. 2. स्टॉकहोम अन्तर्राष्ट्रीय शांति शोध संस्थान के कार्यों का विस्तार से वर्णन करें।
Describe in detail the functions of Stockholm International Peace Research Institute (SIPRI).

अथवा /OR

सर्व सेवा संघ के उद्देश्यों एवं कार्यों पर प्रकाश डालिए।
Focus the light on the objectives and functions of Sarva Seva Sangh.

प्र. 3. बस आंदोलन एक अहिंसक एवं शांतिपरक आंदोलन था, विवेचन कीजिए।
Bus Movement was a nonviolent and peaceful movement, discuss.

अथवा /OR

पर्यावरण के लिए ग्रीनपीस आंदोलन के योगदान का वर्णन करें।
Describe the contribution of Green Peace Movement in the field of environment.

प्र. 4. भूदान एवं ग्रामदान आंदोलन की सफलता–असफलता का विवेचन करें।
Discuss the success and failure of Bhoodan and Gramdan Movement.

अथवा /OR

सप्त क्रांति पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Saptakranti.

प्र. 5. भारत में पर्यावरणीय आंदोलनों की समीक्षा कीजिए।
Evaluate the Environmental Movements in India.

अथवा /OR

नर्मदा नदी योजना का विस्तार से वर्णन करें।
Describe in detail Narmada River Plan.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा -2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – संघर्ष निराकरण, मानवाधिकार एवं अहिंसा प्रशिक्षण

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संघर्ष के स्वरूप को स्पष्ट करें तथा इसके प्रकारों की विवेचना करें।
Explain the nature of conflict and describe its types.

अथवा /OR

शांति शोध की विस्तृत व्याख्या करें।
Write in detail the peace research?

प्र. 2. संघर्ष निराकरण की कूटनीतिक विधियों का विस्तार से वर्णन करें।
Describe in detail the diplomatic techniques of conflict resolution.

अथवा /OR

संघर्ष निराकरण की गांधीवादी पद्धति क्या है?
What are the Gandhian techniques of conflict resolution?

प्र. 3. संघर्ष निराकरण में अनेकान्त का क्या योगदान है?
What is the contribution of the Anekant for conflict resolution?

अथवा /OR

सहिष्णुता की दार्शनिक एवं वैज्ञानिक व्याख्या करें।
Explain the philosophical and scientific basic of tolerance.

प्र. 4. मानव अधिकार के अंतर्राष्ट्रीय घोषणा पत्र को लिखें।
Write the universal declaration of the human rights.

अथवा /OR

मानवीय गरिमा क्या है?
What is human dignity?

प्र. 5. अहिंसा प्रशिक्षण के कितने आयाम हैं?
How many phases are of training in nonviolence?

अथवा /OR

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (कोई दो)

Write short notes (any two)

(अ) सह अस्तित्व / Co-existence

(ब) व्यवस्था परिवर्तन / Change in System

(स) जीवन के प्रति सम्मान / Reverence for Life.

♦♦♦

प्र. 6. रस की निष्पत्ति कहाँ से होती है? इस प्रक्रिया में निष्पत्ति का क्या स्वरूप है? उदाहरण दीजिए।

अथवा

रस की परिभाषा देकर उसके प्रमुख अवयवों का परिचय दीजिए। 10

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र - आधुनिक काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 3 x 7 = 21

(क) पंचभूत का भैरव-मिश्रण, शंपाओं के शकल निपात,
उल्का लेकर अमर शक्तियां खोज रही ज्यों खोया प्रात।
बार-बार उस भीषण रव से कँपती धरती देख विशेष,
मानो नील व्योम उतरा हो आलिंगन के हेतु अशेष।।

अथवा

बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ हृदय न देखा, मदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा।
इस कारण ही तो हाय आज ये बाधा।
युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी-
''रघुकुल में भी थी एक अभागिन नारी।''

(ख) और मैं सोचने लगता हूँ कि इस देश में
एकता युद्ध की और दया
अकाल की पूँजी है।
क्रांति
यहां के असंग लोगों के लिए
किसी बोध बच्चे के
हाथो की जूजी है।

अथवा

स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को, प्राणों के पण में
हमी भोज देती है रण में, क्षात्र धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ग) इसीलिए ध्येय में नहीं, धर्म तो सदा निहित, साधन में है,
वह नहीं किसी भी प्रधन–कर्म, हिंसा, विग्रह या रण में है।
तब भी जो नर चाहते, धर्म, समझे मनुष्य संहारो को
गूँथना चाहते वे, फूलों के साथ तप्त अंगारों को।

अथवा

''तेज–पुँज ब्राह्मण तिल–तिल कर जलें, नहीं यह हो सकता,
किसी दशा में भी स्वभाव अपना वह कैसे खो सकता है?
कसक भोगता हुआ विप्र निश्चल कैसे रह सकता है?
इस प्रकार की चुंभन, वेदना क्षत्रिय ही सह सकता है।''

प्र. 2. पंत प्रकृति के सुकुमार कवि है, इस कथन के आधार पर पंत के प्रकृति चित्रण पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

अथवा

जयशंकर प्रसाद कोमल कल्पना के कवि है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? 10

प्र. 3. ''मैथिलीशरण गुप्त समन्वयकारी युग के प्रतिनिधि कवि है'' इस कथन की विवेचना उदाहरण सहित कीजिए।

अथवा

''शोक सभा'' कविता के मूल भाव को स्पष्ट करते हुए रघुवीर सहाय के काव्य के कला पक्ष को उदघाटित कीजिए। 10

प्र. 4. छायावादी कविता के उदभव और विकास पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 09

प्र. 5. स्पष्ट कीजिए कि ''रश्मिरथी'' आधुनिक–युग चेतना का काव्य है।

अथवा

रश्मिरथी के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए। 10

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र - प्रयोजन मूल का हिन्दी

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

3 x 15 = 45

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए इसकी आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रयोजनमूलक हिन्दी की सीमाएँ और संभावनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) पत्र के प्रकार और लेखन की विशेषताएँ समझाइए।

अथवा

समाचार के महत्त्वपूर्ण तत्त्वों को बताते हुए वर्तमान परिदृश्य के समाचार लेखन की सुव्यवस्थित कला को स्पष्ट कीजिए।

(ग) सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की समस्याओं को रेखांकित कीजिए।

अथवा

जनसंचार माध्यमों में भाषा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 2. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए- **5 x 3 = 15**

1. राजभाषा और राष्ट्रभाषा
2. विज्ञान और तकनीकी हिन्दी
3. संक्षेपण और पल्लवन
4. की-बोर्ड और टैक्स्ट का चुनाव
5. सम्पादन कला
6. संचार के विविध उपादान
7. अनुवाद : अर्थ एवं परिभाषा
8. पारिभाषिक शब्दावली।

प्र. 3. निम्नलिखित अति लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर दीजिए-

10 x 1 = 10

1. संवाद शैली से अभिप्राय
2. सामाजिक हिन्दी से क्या अभिप्राय है?
3. टिप्पण लेखन किसे कहते हैं?
4. पृष्ठांकन से क्या अभिप्राय है?
5. ज्ञापन किसे कहते हैं?
6. डाटा प्रोसेसिंग क्या है?
7. कट, कॉपी और पेस्ट कमांड
8. पृष्ठ सज्जा क्या है?
9. प्रुफ रीडिंग किसे कहते हैं?
10. विज्ञापनों की भाषा
11. इण्टरनेट क्या है?
12. अनुवाद की परिभाषा
13. पाठधर्मी आयाम
14. सारांश से क्या अभिप्राय है?
15. आशु अनुवाद किसे कहते हैं?

♦♦♦

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2013

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Explain any four stanzas of the following with the reference to the context : 20

(i) There are waters blown by changing
Winds to laughter
And lit by the rich skies, all day.

(ii) What passing-bells for those who die
as cattle?
Only the monstrous anger of the guns.

(iii) All this was a long time ago, I remember,
And I would do it again, but set down
This set down
This : were we led all that way for
Birth or Death ?

(iv) Wild Spirit, which art moving everywhere;
Destroyer and Preserver; hear, oh, hear!

(v) What you think of prospects of world peace?
Pakistan behaving like this,
China behaving like that,
It is making me very sad, I am telling you.

(vi) Sometimes you want to talk
about love and despair
And the ungreatefullness of the children.

(vii) A couple of cows
named Gopi and Brinda
and one pregnant woman
expecting identical twins

(viii) Tomorrow I detrain
A bed-bug and a greasy doubt
share my berth
I have to live with them till morning.

Q. 2. How war poetry excelled in Brooke's sonnets. Explain in detail with special reference to 'The Dead'.

OR

What symbolism yeats uses in 'The Second Coming'. 10

Q. 3. Write a critical estimate of the poem 'The West Wind'.

OR

Daruwall enjoyed a lot of journey. Explain with special reference to Railroad Reveries. 10

Q. 4. Write critical appreciation of the 'Night of the Scorpion'. 10

OR

What 'indian-ness' Ezekiel points forth in the poems prescribed.

Q. 5. Discuss 'The Post Office' as a melodramatic play. 10

OR

'The Post Office' is beautiful, touching, of one texture of simplicity throughout and within its limits as almost perfect piece of art'. Explain.

Q. 6. Justify the significance of the title 'Sacrifice'. 10

OR

Which character impressed you the most in 'Sacrifice' and how it appeals.

♦♦♦

OR

"How is Mahabharata helpful in understanding contemporary society"? Analyse.

Q. 5. What does Mahapragya suggest about vocational life is his essay? Discuss. 10

OR

Write a summary of Russell's essay "How to Escape from Intellectual Rubbish" in your words.

Q. 6. Attempt any one of the following with reference to the context: 5

(i) Like culture, like knowledge, like virtue, and like spiritual merit, fredom is such that the more it is given, the more it grows; and the more the taxes the vigilence and energy of people. The more beauty, grace and richness it adds to their life.

(ii) For those who have enough psychological imagination, it is a good plan to imagine an argument with a person having a different bias. This has one advantage, and only one, as compared with actual conversation with appoints; this one advantage is that the method is not subject to the same limitations of time and space.

♦♦♦

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2013

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Discuss the relationship between Rosie and Raju in the novel 'The Guide'. 20

OR

Write a note as the portrayal of fate and chance in the novel 'The Guide'.

Q. 2. 'Cry, the Peacock is a psychological novel' how and why? Discuss. 20

OR

Draw a character sketch of 'Maya' in cry, the peacock.

Q. 3. What do you understand by Bhishma's vow? Elucitdate. 10

OR

Discuss the incident of the War Palace.

Q. 4. Write a note on the role of Sanjay in Mahabharata. 15

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र – प्राकृत व्याकरण एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं छ: की रूपसिद्धि करें – 12

(i) थिप्पइ (ii) णिवहइ
(iii) अक्खोडेइ (iv) भसइ
(v) ओगाहइ (vi) खाइ
(vii) वेढइ (vii) भावेइ
(ix) दूमेइ (x) पड्डावइ
(xi) पविसइ (xii) भामइ

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण करें – 8

(i) न्य–ण्य–ज्ञ–ञ्ञां–ज: (ii) र–सोर्ल–शौ
(iii) वादेस्तावति (iv) अम्महे हर्षे
(v) भ्यसो हुं (vi) णो न:
(vii) स्वराणां स्वरा: प्रायोपभ्रंशे (viii) रस्य लो वा

प्र. 3. किन्हीं तीन रूपों में प्राकृत–धात्वादेश–विधायक सूत्र व उनके अर्थ लिखें– 6

(i) पडइ (ii) संवेल्लइ
(iii) करिसइ (iv) विअसइ
(v) पल्लट्टइ (vi) भसइ

प्र. 4. शौरसेनी अथवा मागधी प्राकृत भाषा की सामान्य विशेषताओं का निरूपण करें। 8

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्राकृत रूपों के संस्कृत रूप लिखें – 4

(i) हरिज्जइ (ii) कराविअं
(iii) गम्मइ (iv) घडेइ
(v) भोदूण (vi) जिणू
(vii) सतनं (viii) सलिलं

प्र. 6. निम्नांकित धातुओं के दिए गये निर्देशानुसार रूप लिखें (कोई दो) 6

(i) चल – वर्तमान काल (ii) हस – (सम्बन्ध कृदन्त)
(iii) नम – भविष्यत काल (iv) चिट्ठ – भूतकाल (अपभ्रंश भाषा)

प्र. 7. देव अथवा माला शब्द के किन्हीं चार विभक्तियों के दोनों वचनों में रूप लिखें। 6

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबंध लिखें– 20

(i) प्राकृत भाषा की महनीयता
(ii) अहिंसा सव्वभूय–खेमंकरी (अहिंसा सभी प्राणियों का कल्याण करती है)
(iii) ''अमियं पाइअ–कव्वं''
तेरापंथ में श्रमणी (समणी) पद।

♦♦♦

प्र. 6. निम्नांकित किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में प्राकृत भाषा में दीजिए। 5

(क) बहुश्रुत पूजा

(ख) गणिसम्पदा।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र - अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत चरित साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. (क) निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 4

(अ) ताव च्चिय होइ सुहं जाव न कीरइ पिओ जणो को वि।
पियसंगो जेण कओ दुक्खाण समप्पिओ अप्पा।।

(ब) तियच्चरमाईसुं असहाओ भमइ नयरमज्झम्मि।
चित्ते अमरिसजुत्तो करिव्व जूहाउ परिभट्ठो।।

(स) बुद्धीए पंवचेण य छलेण तह मंततंतजोएण।
पहणिज्जइ पडिवक्खो जस्स न नीईए सक्केज्ज।।

(ख) निम्नांकित में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 7

(अ) कलयायरियसमीवं कलगहणत्थं समागओ एत्थ।
पविसिस्सं जम्मि दिणे तए वि घेत्तुं गमिस्सामि।।

(ब) जो जाइ जुवइवग्गे सब्भाव मयणमोहिओ पुरिसो।
दुत्तरदुक्खसमुद्दे निवडइ सो नत्थि संदेहो।।

प्र. 2. अगड़दत्त चरियं की भाषा एवं कथा सम्बन्धी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

अगडदत्त चरियं के प्रमुख पात्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 14

प्र. 3. (क) निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए – 8

(अ) जस्संतिए धम्मपयाइ सिक्खे तस्संतिए वेणइयं पउंजे।
सक्कारए सिरसा पंजलीओ, कायग्गिरा भो मणसा य निच्चं।।

(ब) दुवालसविहा होइ भासा वयणंपि य होइ सोलसविहं।
एवं अरहंतमणुण्णायं समिक्खियं संजएणं कालम्मि य वत्तव्वं।।

(स) न यावि परलोगणिच्छियमतीऽसि सव्वकालं जाति–कुल–रूववाहि–रोगेण वा वि जं होइ वज्जणिज्जं दुहिलं उवयारमतिकंतं एवं विहं सच्चंपि न वत्तव्वं।

(ख) निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई एक) 7

(अ) अवण्णवायं च परम्मुहस्स, पच्चक्खओ पडिणीयं च भासं।
ओहारिणिं अप्पियकारिणिं च भासं न भासेज्ज सया स पुज्जो।।

(ब) उवसंकमंतमपडिण्णं गामंतियं पि अप्पत्तं।
पडिणिक्खमत्तु लूसिंसु एत्तो परं पलेहि त्ति।।

प्र. 4. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए (कोई दो) 10+10=20

(क) आनन्द एवं गौतम संवाद की विषयवस्तु प्रस्तुत करें।

अथवा

सावद्य–अनवद्य सत्यपद तथा ''वह पूज्य'' पाठों की सारांश सहित शिक्षाओं का वर्णन करें।

(ख) मुदगरपाणि पाठ के प्रतिपाद्य विषय की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रदेशी–केशी संवाद का वर्णन करें।

(ग) 'रोहिणी' पाठ में समागत ''धन द्वारा परीक्षा प्रयोग'' का फलितार्थ लिखें।

अथवा

'स्वप्न–पद' में जिन दस महास्वप्नों को देखकर भगवान् महावीर छद्मस्थकालीन अवस्था में प्रतिबुद्ध हुए, उनका विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र. 5. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए – 5

(क) शुक का थावच्चापुत्र के साथ संवाद

(ख) अतिचार–पद

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र - संस्कृत व्याकरण एवं रचना (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं तीन की रूपसिद्धि कीजिए। 15

आदत्, जुहोति, दीव्यतु, सुन्वन्ति, अप्राक्षीत्, अपीपिडत्।

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की पूर्ति कर सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 7

1. ..... शिति।
2. ..... दीर्घः।
3. आत्मने ..... ।
4. ..... वा।

प्र. 3. अधोलिखित धातुओं में किन्हीं चार धातुओं के धातु रुप लिखें- 10

मृजूक् (तिबादी), जनीङ्च (द्यादि), दम्भुत् (णबादि), रुधृंनर् (तादि), डूक्रींनश् (तिबादी), शोंच् (तुबादि), तुदंनज् (द्यादि)

प्र. 4. अधोलिखित रूपों में किन्हीं दो के प्रकृति-प्रत्यय लिखें।

जेगीयते, बुभूषतु, शाययति, जंगम्यते 8

प्र. 5. निम्मलिखित में से किन्हीं दो की रूपसिद्धि कीजिये- 10

क्नोपयति, चंचूर्यते, पित्सति, अजूहवत्

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की पूर्ति कर सोदाहरण व्याख्या करें। 5

1. ..... ञिन्।
2. हसादे .....।
3. ..... दीर्घः।
4. ..... मुक्।

प्र. 7. निम्नलिखित धातुओं के ञिन्नन्त और सन्नन्त के तिबादी के प्रथमपुरुष के रूप लिखिए- 5

भू, डूकृंन्, जिं, पाक्, गम्लृं

प्र. 8. अनुष्टुप छंद में निम्नलिखित किसी एक विषय पर श्लोक की रचना कीजिए -

गुरु, मित्र, भाषा, विद्या 5

प्र. 9. अनुष्टुप छंद का लक्षण समझाएं। 5

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद (लघु–सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच क्रियापदों की रूपसिद्धि कीजिए। 15
बभूव, आत्ताम्, जुहोतु, दीव्येत्, तोत्स्यति, रून्धः,
सिषिधथुः, ऐधे, अगोपीत्, पपौ

प्र. 2. निम्नांकित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 15
लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः, लिटि धातोरनभ्यासस्य अभ्यासे चर्च,
सम्परिभ्यां करोतौ भूषणे, अतोयेयः, टित आत्मनेपदानां टेरे,
सवाक्यां वाडमौ, अदिप्रभृतिभ्यः शपः, अत उत् सार्वधातुके,
दिवादिभ्यः श्यन्।

प्र. 3. धातु रूप लिखें – (दस लकारों के) 10
अद् अथवा दिव्

प्र. 4. (क) निम्नलिखित किन्हीं पाँच में कृत्य प्रत्यय स्पष्ट करें – 10
शिष्यः, चयनीयः, एधितव्य, देयम्, लभ्यम्,स्तुत्यः,
धार्यम्, मार्ग्यः, भोग्यम्, चेयम् ।

(ख) लिट् एवं लृट् लकारों का सोदाहरण परिचय दीजिये।

प्र. 5. निम्मलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये – 10

(1) अनुशासनस्य महत्त्वम्।

(2) उपमा कालिदासस्य।

(3) अहिंसा परमो धर्मः।

(4) विद्या ददाति विनयम्।

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये। 10

1. समस्त विश्व भारतीय लोकतंत्र की प्रशंसा करता है।
2. मूर्खों को उपदेश देना क्रोध के लिए होता है।
3. दुष्ट सज्जनों से द्रोह करते हैं और निन्दा करते हैं।
4. छात्रों को माता–पिता की आज्ञा माननी चाहिए।
5. बंगाल के राजा ने युद्ध में प्राण त्याग दिए।
6. मनुष्यता से श्रेष्ठ और कुछ नहीं है।
7. न्यायाधीश अपराधी को दण्ड देता है।
8. पहले अपने गुरु को प्रणाम करो फिर अपना पाठ याद करो।
9. अज्ञानी व्यक्ति अपने विद्यारहित उच्च कुल पर गर्व करते हैं।
10. आडम्बरहीन जीवन अच्छा होता है।
11. मैं इस समय अध्ययन में लगा हुआ हूँ।
12. दुष्ट व्यक्ति विश्वसनीय नहीं होता क्योंकि वह मधुरभाषी होता है।
13. क्या तुम अपने पुत्र को पढाने के लिए बनारस भेजोगे?
14. ईश्वर की यह सृष्टि विचित्रताओं से भरी हुई है।
15. सत्य से बढकर कोई धर्म नहीं।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र – काव्य कोश एवं इतिहास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (कोई दो) – 2 x 5 = 10

(क) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनःपयश्च निम्नाभिमुखं प्रतिपयेत्।।

(ख) कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासंगवतीमधीलिनीम्।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽयुपागमन्न धर्मवृद्धेषु वय: समीक्ष्यते।।

(ग) स्वयं विशीर्णद्रुमपर्णवृत्तिता परा हि कष्ठा तपसस्तया पुन:।
तदप्यपाकीर्णमत: प्रियंवदां वदन्त्यपर्णेति च तां पुराविद:।।

प्र. 2. पार्वती की तपश्चर्या का वर्णन कीजिए। 6

प्र. 3. निम्नलिखित गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

उद्दामपार्श्च पृथुस्थगित–श्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि न ते श्रृण्वन्ति च
गजनिमीलितेनावधीरयन्त: खेदयन्ति हितोपदेशदायिनी गुरुन्।
अहंकारदाहज्वरमूर्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृति:
आलोकाभिमानोन्मादकारीणि धनानि। राज्यविषविकारतन्द्राप्रदा राजलक्ष्मी।

अथवा

अपरे तु स्वार्थनिष्पादनपरैर्धनपिशितग्रासगृधरास्थान–नलिनीधूर्तबकैर्द्यूतं
विनोद इति, परदाराभिगमनं वैदग्ध्यमिति, पानं विलास इति,
स्वदारपरित्यागमव्यसनितेति, नृत्यगीतवादयवेश्याभिसक्तिं रसिकतोति,
दोषानपि गुणपक्ष मध्यमध्यारोपयाद्भरन्त: स्वयमपि विहसद्भि:
प्रतारणकुशलैर्धूर्ते: स्तुतिभि: प्रतार्यमाणा: सर्वजनस्योपहास्यतामुपयान्ति।
दर्शन प्रदानमप्यनुग्रहं गणयन्ति संभाषणमपि संविभागमध्ये कुर्वन्ति।

प्र. 4. कादम्बरी एक शिक्षापरक कृति है– सिद्ध कीजिए। 6

प्र. 5. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– (कोई दो) 10

(1) अत्राणानां त्वमसि शरणं त्राहि मां त्राहि तायिन्,
गृह्णीस्वैतान् सकरुणदृशा नीरसान् सूर्पभाषान्।
अंत:सारा: सहजसरसा यच्च पश्यन्ति गूढा–
नन्तर्भावान् सरसमरसं जातु नो वस्तुजातम्।।

(2) वाष्पा:! आशु व्रजत नयतेक्षध्वमेष प्रयाति,
साक्षात्प्राप्त: परिचितवृषै: प्रापणीयस्तपस्वी।
सार्थं चैकोनुऽभवति विपद्भारमोक्षंच युष्मां–
ल्लब्ध्वा नान्यो भवति शरणं तत्र यूयं सहाया:।।

(3) धन्या निद्रा स्मृति परिवृढ़ं निह्नुते या न देवं,
धन्या: स्वप्ना: सुचिरमसकृद् ये च साक्षान्नयन्ते।
जाग्रत्काल: पलमपि न वा त्वांच सोढुं सहोऽभू–
च्छलाघ्योऽश्लाघ्य: क्वचिदपि न वैकान्तदृष्ट्या विचार्य:।।

प्र. 6. अश्रुवीणा के प्रतिपाद्य विषय को अपने शब्दों में लिखें। 6

प्र. 7. निम्नलिखित श्लोक की पूर्ति कीजिए– 5

कामं प्रकामं ..... भृशं दृढम्।

प्र. 8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का अर्थ लिखिए– 5

व्रज्या, संश्लेष, विरति, अपचय, निकषा, नूनम्, श्व:

प्र. 9. उपमा कालिदासस्य, भारवेरर्थगौरवम्। 8
दंडिन: पदलालित्यं, माघे सन्ति त्रयो गुणा:।।
इस उक्ति को सिद्ध कीजिए।

अथवा

रामायण की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।

प्र. 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए– 6

(1) शूद्रक, (2) उपनिषद साहित्य,
(3) वरांगचरित, (4) जैन परम्परा के प्रमुख स्तोत्र काव्य। ♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र - पाश्चात्य प्रतिनिधि विचारक

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्लेटो के न्याय सिद्धान्त का वर्णन करो?

Describe the Plato's theory of justice.

अथवा /OR

'अरस्तु एक महान विचारक था' स्पष्ट करो।

'Aristotle was a great thinker.' Clarify this statement.

प्र. 2. ''सन्त थॉमस एक्वीनस मध्ययुग के दर्शन का सर्वश्रेष्ठ प्रवर्तक था।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

"Sant Thomas Aquinas was the greatest forerunner of middle age philosophy." Discuss the statement.

अथवा /OR

सन्त आगस्टाइन के प्रमुख राजनीतिक विचार लिखो।

Write the main political thoughts of Saint Agustain.

प्र. 3. मैकियावेली के राजनैतिक विचारों की व्याख्या करो।

Discuss the political ideas of Machiavelli.

अथवा /OR

हाब्स, लॉक व रूसो के सामाजिक समझौता सिद्धान्त की तुलनात्मक व्याख्या करो।

Discuss the comparative analysis of social contract theory given by Hobbs, Locke & Roursseau.

प्र. 4. बेन्थम के उपयोगितावादी सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine Bentham's theory of utilitarianism.

अथवा /OR

स्वतंत्रता पर जे.एस. मिल. के विचारों को समझाइये।

Explain J.S. Mill's ideas regarding liberty.

प्र. 5. हीगल के राज्य पर विचारों का परीक्षण कीजिए।

Examine Hegel's ideas on state.

अथवा /OR

द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद के विषय में कार्ल मार्क्स की विवचेना कीजिए।

Discuss Karl Marx's explanation of Dialectical Materialism.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र - अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (1945 से आज तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को परिभाषित कीजिये।

Define International Relations.

अथवा /OR

शीत युद्ध से क्या अभिप्राय है? शीत युद्ध की समाप्ति के कारण और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिये।

What is Cold War? Describe the causes of end of Cold War and its impact on International Politics.

प्र. 2. संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के संगठन एवं कार्यों का वर्णन कीजिये।

Describe the organisation and functions of Security Council of UNO.

अथवा /OR

सी.टी.बी.टी. पर एक निबन्ध लिखिये।

Write an essay on CTBT.

प्र. 3. संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति की विशेषताएं बताईए।

Give the salient feature of foreign policy of U.S.A.

अथवा /OR

पाकिस्तान की विदेश नीति का परीक्षण कीजिये।

Examine the Foreign Policy of Pakistan.

प्र. 4. भारत की विदेश नीति की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

Discuss the salient features of Indian Foreign Policy.

अथवा /OR

भारत पाक सम्बन्धों का वर्णन कीजिये।

Discuss the Indo-Pak relations.

प्र. 5. शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व क्या है? वर्णन कीजिये।

What is Peaceful co-existence? Explain it.

अथवा /OR

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये -

Write short notes on any two -

(i) सार्क / SAARC

(ii) पंचशील / Panchsheel

(ii) असहयोग और शांति / Non-cooperation and Peace

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक आधार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. शरीर का आध्यात्मिक आधार लिखिए।

Write the spiritual basis of Body.

अथवा /OR

इन्द्रिय का मनोवैज्ञानिक आधार लिखिए।

Write the psychological basis of sense organs.

प्र. 2. श्वास का मनोवैज्ञानिक आधार बताइए।

Explain the psychological basis of breath.

अथवा /OR

मानसिक स्वास्थ्य के सूत्र लिखें।

Write the formulas of mental health.

प्र. 3. बुद्धि के स्वरूप एवं उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिये।

Write a note on nature and types of intelligence.

अथवा /OR

अवधान का स्वरूप एवं प्रकारों पर टिप्पणी करें।

Write a note on nature and type of Attention.

प्र. 4. संवेग से उत्पन्न शारीरिक परिवर्तनों को स्पष्ट करें।

Explain the physical changes occur due to impulse.

अथवा /OR

अभिप्रेरणा की मनोवैज्ञानिक अवधारणा स्पष्ट कीजिये।

Explain the psychological concept of Motivation.

प्र. 5. व्यक्तित्व विकास के मनोवैज्ञानिक आधार को समझाएं।

Explain the psychological basis of personality development.

अथवा /OR

कर्म तथा प्राण पर टिप्पणी करें।

Write a note on Karma and Prana.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र - प्रेक्षाध्यान : व्यक्तित्व विकास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. व्यक्तित्व की विभिन्न परिभाषाओं की विस्तृत व्याख्या करें।

Define the various definitions of personality in detail.

अथवा /OR

व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों को विस्तार से समझाइये।

Explain in detail the various types of personality.

प्र. 2. सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में प्रेक्षाध्यान की भूमिका को स्पष्ट करें।

Explain the role of Preksha Meditation in the development of personality.

अथवा /OR

स्मृति विकास पर लेख लिखें।

Write an essay on Memory development.

प्र. 3. तनाव को स्पष्ट करें तथा तनाव प्रबंधन में कायोत्सर्ग की भूमिका की व्याख्या करें।

Explain stress and elaborate the role of Kayotsarga in the management of stress.

अथवा /OR

कार्यक्षमता के विकास पर लेख लिखें।

Write an essay on Emotional Development and Emotional Health.

प्र. 4. आत्मविश्वास को स्पष्ट करते हुए इसके सुपरिणाम तथा दुष्परिणाम लिखें साथ ही सुदृढ एवं कमजोर आत्म-विश्वासी की तुलना करें।

Explaining self confidence, write down its merits & demerits and compare strong self-confident & weak self-confident person.

अथवा /OR

भावात्मक विकास तथा भावात्मक स्वास्थ्य पर लेख लिखें।

Write an essay on emotional development & emotional health.

प्र. 5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

Write a short note on (any two)

1. लक्ष्य के प्रकार / Types of Goal
2. लक्ष्य प्राप्ति एवं प्रेक्षाध्यान /Goal Achievement & Preksha Meditation
3. व्यसन के प्रभाव / Impact of Addiction
4. अभिव्यक्ति के कारक तत्त्व / The Responsible factors of Expression
5. अभिव्यक्ति की क्षमताएं / Skills of Expression

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

प्रथम पत्र – आधुनिक भारत का इतिहास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मराठों के उत्थान में महादाजी सिन्धिया के योदान को विस्तार से समझाइये।

Describe the role of Mahadaji Sindhiya in Uprisineg of Marathas.

अथवा /OR

मराठों की असफलता के कारणों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the declinaing reason of Marathas.

प्र. 2. ''प्लासी का युद्ध निर्णायक युद्ध था किंतु महान नहीं।'' इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

Critically examine the statement that, "Plassey was decisive but not a great battle."

अथवा /OR

किन परिस्थितियों में अवध प्रान्त का विलीनीकरण ब्रिटिश साम्राज्य में किया गया?

Under what circumstances the province of 'Awadh' annexed to the British Empire?

प्र. 3. ब्रिटिश सर्वोच्चता का भारतीय रियासतों में विकास को विवेचित कीजिए?

Describe the role of British Parmounface in Indian States.

अथवा /OR

ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था को समझाते हुये स्थायी बंदोबस्त को विस्तार से समझाइये।

Describe "Sthayi Bandobast" with respect to land Revenue Systems.

प्र. 4. उदारवादी कौन थे? उनके उद्देश्यों एवं उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।

Who were the moderates? Discuss their objectives and achievements.

अथवा /OR

भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के कारणों की विवेचना कीजिए।

Discuss the causes of the emergence of Indian Nationalism.

प्र. 5. 1920 में गांधीजी द्वारा प्रारम्भ किये गये असहयोग आंदोलन की उपलब्धियों एवं असफलताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the achievements and failures of the Non-cooperation Movement started by Gandhiji in 1920.

अथवा /OR

1947 में भारत विभाजन के लिये उत्तरदायी परिस्थितियों की विवेचना कीजिये।

Discuss the circumstances leading to the partition of India in 1947.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2013

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : इतिहास

द्वितीय पत्र – आधुनिक विश्व इतिहास की रूपरेखा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पुनर्जागरण का अर्थ क्या है? पुनर्जागरण के कारणों पर प्रकाश डालिए।

What is Renaissance. Elucidate the causes of Renanissance.

अथवा /OR

धर्मसुधार आंदोलन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the causes of religion reform movement.

प्र. 2. फ्रांस की क्रांति के कारणों पर प्रकाश डालिए।

Elucidate the causes of revolution of France.

अथवा /OR

औद्योगिक क्रान्ति के परिणामों की विवेचना कीजिए।

Discuss the results of industrial revolution.

प्र. 3. जर्मनी के एकीकरण के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

Describe the various phases of Jermany reunion.

अथवा /OR

पूर्वी समस्या क्या थी? क्रीमिया युद्ध के कारणों पर प्रकाश डालिए।

What was the Eastern problem ? Throw light on the causes of Creimia War.

प्र. 4. प्रथम विश्व युद्ध के कारण व परिणामों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the causes and conscequences of first world war.

अथवा /OR

'फासीवाद' का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके उदय के कारणों पर प्रकाश डालिए।

Explaining the term "Facism", describe the causes of its emergence.

प्र. 5. द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों पर प्रकाश डालिए।

Elucidate the causes of Second World War.

अथवा /OR

राष्ट्रसंघ की असफलता के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the factors of failure of League of Nation.

♦♦♦